पीपुल्स समाचार, भोपाल
16 JUN 2010

गेहूं उत्पादन में एक पायदान ऊपर

देशभर में चौथे नंबर पर आया मध्यप्रदेश

अनिल सिरवैयां, भोपाल

प्रदेश में इस बार गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार ने मप्र को देश के चार अग्रणी राज्यों में लाकर खड़ा किया है। प्रदेश के कृषि इतिहास में पहली बार राज्य ने इतना पीला सोना उगला है। 85 लाख मीट्रिक टन की पैदावार ने न सिर्फ प्रदेश की खाद्यान्न समस्या को दूर किया है, बल्कि दूसरे प्रदेशों का पेट भरने का इंतजाम भी हो गया है। प्रदेश में अब तक 74-75 लाख मैट्रिक टन के आसपास ही गेहूं की पैदावार होती रही है। हर साल बारिश और ओलों ने इस फसल को जबर्दस्त नुकसान पहुंचाया, लेकिन इस साल मौसम जमकर मेहरबान हुआ। शेष पृष्ठ 12

देशभर में चौथे ...

बिजली की बेहद किल्लत के बीच फसलों के अनुरूप तापमान की स्थिरता से बालियों के भीतर ही भीतर गेहूं फलता-फूलता रहा। अच्छी बात यह है कि खाने के लिए सबसे अच्छे माने जाने वाले शरबती सी-306, सुजाता, नर्मदा 104 और 112 की पैदावार भी बंपर रही। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार अभी तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेहूं उत्पादन का सही आंकड़ा नहीं आया है, लेकिन ऐसी उम्मीद की जा रही है कि उप्र के मुकाबले भी मप्र में इस बार ज्यादा गेहूं उत्पादन हुआ है। यदि ऐसा होता है तो पंजाब और हरियाणा के बाद मप्र तीसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य होगा।